International Journal of Advanced Research in Arts, Science, Engineering & Management (IJARASEM)

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 7, Issue 6, November 2020 |

हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर

डॉ. अनिता सिंह

सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग, डी. बी. एस. कॉलेज, गोविंद नगर, कानपुर, उत्तर प्रदेश, भारत

सार

हिंदी भाषा लगातार लोकप्रि य होती जा रही है। सोशल मीडिया से लेकर तमाम प्लेटफॉर्म पर हिंदी का बोलबाला है। इसके साथ ही हिंदी में रोजगार या करियर बनाने के विकल्पों में भी लगातार इजाफा होता जा रहा है।हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है, लेकिन वर्तमान में युवा पीढ़ी इससे दूर अंग्रेजी की ओर रुख करने लगी है। हिंदी भाषा का ज्ञान वर्तमान में युवाओं और बेरोजगारों के लिए रोजगार के कई द्वार खोलता है। बस वहां तक पहुंचने की जिज्ञासा और रुचि जगाना जरुरी है। हिंदी दुनिया की दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस समय दुनियाभर में हिंदी बोलने वालों की संख्या 55 करोड़ से ज्यादा है, वहीं हिंदीसमझ सकने वाले लोगों की संख्या करीब 1 अरब से भी ज्यादा है।प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच और संस्थाओं में हिंदीके इस्तेमाल में इजाफा हुआ है। फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म पर अब हिंदीका ही दबदबा है। गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज कंपनियों ने भी हिंदी में बहुत बड़े पैमाने पर काम करना शुरू कर दिया है। ऐसे में करियर की भी बहुत संभावना है।

परिचय

हिंदीराजभाषा अधिकारी (Hindi Rajbhasha Adhikari)

केंद्रीय संस्थानों और कार्यालयों में राजभाषा अधिकारी की नियुक्ति की जाती है जो अपने यहां हर प्रकार से हिंदीके प्रयोग को बढ़ावा देते हैं और हिंदीमें कामकाज को सुगम बनाते हैं। यदि आप हिंदीविषय में स्नातक हैं और एक विषय के रूप में अंग्रेजी भी पढ़ी है तो राजभाषा अधिकारी के रूप में करियर बनाया जा सकता है।[1]

हिंदीअध्यापन (Hindi Language Teacher)

हिंदीका अध्ययन करने वालों के बीच अध्यापन एक पारंपरिक करियर विकल्प के रूप में लोकप्रिय है। उच्च शिक्षण संस्थानों से लेकर प्राथमिक स्तर तक शिक्षण के अवसर योग्यतानुसार उपलब्ध रहते हैं और इसे सदाबहार करियर माना जाता है। [2]समय-समय पर आयोजित होने वाली 'राष्ट्रीय पात्रतापरीक्षा' (NET) में शामिल हो सकते हैं। इसमें अधिकतम अंक प्राप्त करने वालों को 'जूनियर रिसर्च फेलोशिप' (JRF) मिल सकती है। जिसके माध्यम से शोधकार्य (PHD) करने वाले छात्रों को हर महीने 30,000/- छात्रवृत्ति दी जाती है। यह परीक्षा पास करने वालों को महाविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर और प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति के अवसर मिल सकते हैं।[3]

हिंदीपत्रकारिता (Journalism in Hindi)

हिंदीपढ़ने वाले छात्रों के बीच पत्रकारिता रोजगार का एक आकर्षक विकल्प है, जहां मेहनती और प्रतिभावान युवाओं के लिए बहुत संभावनाएं हैं। इस दौर में हिंदीअखबार और न्यूज चैनल की संख्या भी काफी है। समाचार चैनलों और अखबारों के अलावा भी हिंदीके अनेक चैनल और पत्र-पत्रिकाएं हैं जहां हिंदीभाषी प्रतियोगियों के लिए दरवाजे खुले हैं।[4]

हिंदीअनुवादक/दुभाषिया (Translator)

ट्रांसलेशन यानि अनुवाद का क्षेत्र बहुत बड़ा है। दुनियाभर में जैसे-जैसे हिंदीका प्रयोग बढ़ रहा है वैसे-वैसे अनुवादकों और द्विभाषाविदों की मांग बढ़ती जा रही है। कई देशी-विदेशी मीडिया संस्थान, राजनैतिक संस्थाएं, पर्यटन से जुड़े संस्थान और बड़े-बड़े होटलों में अनुवादकों और दुभाषियों की अच्छी खासी मांग है।

रेडियो जॉकी और समाचार वाचक (Radio Jockey and News anchor)

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 7, Issue 6, November 2020 |

रेडियो प्रस्तोता अमीन सयानी की आवाज किसने नहीं सुनी। नवेद की आवाज से कौन नावाकिफ है। इन्होंने हिंदीमें रेडियो जॉकी का कॅरियर बनाया। ऐसी बहुत सी प्रतिभाएं हैं जो इस क्षेत्र में नाम और दाम कमा रही हैं। यदि आप भी भाषा पर अच्छी पकड़ रखते हैं, आवाज़ अच्छी है तो यह एक करियर ऑप्शन है। इसके साथ ही समाचार वाचक भी एक विकल्प है। बस आपको अपनी सधी हुई प्रभावशाली आवाज़ में समाचार पढ़ने होते हैं और देश-विदेश की घटनाओं की जानकारी देनी होती है।[5]

हिंदीमें क्रिएटिव राइटिंग (Creative Writing in Hindi)

रचनात्मक लेखन जिसे आज के युवाओं की भाषा में क्रिएटिव राइटिंग कह सकते हैं। इस क्षेत्र में 'स्वतंत्र लेखन' और नियमित लेखन किया जा सकता है। फ़िल्म, टीवी, रेडियो, वेबसाइट, पोर्टल आदि क्षेत्रों से जुड़कर हिंदीमें लोकप्रिय लेखन किया जा सकता है और बाहर रहकर भी सेवाएं दी जा सकती हैं। हालांकि दोनों में कोई ज्यादा अंतर नहीं है। दोनों ही रूप में आप काम एक ही कर सकते हैं। ब्लॉग लेखन (BlogWriting) भी एक ऑप्शन है।[6]

हिंदी में रोजगार के अवसर (Jobs opportunity in Hindi)

हिंदी न केवल एक भाषा बल्कि अर्थोपार्जन का जरिया है। इस भाषा में पारंगतता से न सिर्फ शैक्षणिक क्षेत्र बल्कि निजी सेक्टर विशेष रूप से फिल्म एंड टेलीविजन सेक्टर में भी अपार संभावनाएं हैं। इसके अलावा रेडियो और आकाशवाणी में भी हिंदी भाषा के जानकारों की जरुरत सदैव रहती है। भारत में हिंदी मीडिया में भी काफी रोजगार उपलब्ध हैं। यहाँ पर विधार्थियों के कुछ प्रश्नों का जवाब दिया गया है हो सकता है। ये सवाल आपके भी हों-

सवाल- स्नातकोत्तर हिंदी में उत्तीर्ण छात्रों की रोजगार में क्या संभावनाएं हैं।[7]

जवाब- राज्य सरकार और केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय में वरिष्ठ अध्यापक हिंदी, प्राध्यापक हिंदी, टीजीटी हिंदी, पीजीटी हिंदी अध्यापन के अवसर व्यापक स्तर पर हैं। साथ ही आकाशवाणी और दूरदर्शन, इलेक्ट्रोनिक मीडिया, प्रिंट मीडिया में भी अच्छी हिंदी जानने वाले को बहुत पूछ है। समाचार उदघोषक, वार्ता लेखक, प्रोग्रामिंग में व्यापक संभावनाएं हैं। वहीं प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में समाचार लेखक, स्तंभ लेखक, संपादकीय, अतिथि संपादक, प्रूफ रीडर, विशेष विधा लेखन जैसे खेल समाचार, संसदीय समाचार, बाजार समाचारके नए अवसर उभरे हैं।

सवाल- अच्छी हिंदी जानने वालो की सिने जगत और टीवी जगत में क्या संभावनाएं हैं।

जवाब- नई हिंदी के जो क्षेत्र उभरे हैं उनमें यदि छात्र दक्षता हासिल कर लेता है तो सिनेमा में पटकथा लेखन, संवाद लेखन, गीत लेखन, में रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। टीवी में जिंगल्स और विज्ञापन लेखन में भी भारी मांग है।

सवाल- हिंदी के साथ कौनसी भाषा का अध्ययन करें? जिससे रोजगार मिल सकता है।[8]

जवाब- वर्तमान परिवेष में हिंदी के साथ अंग्रेजी और किसी भी स्थानीय भाषा बोली का अध्ययन रोजगार की नई दिशाएं स्पष्ट करता है। आज प्रकाशन विज्ञापन, भाषण लेखन, आदि में अनुवादकों की भारी मांग है। यदि दोनों भाषाओं के साथ क्षेत्रीय बोली उप भाषा की जानकारी होतो वैश्विक स्तर पर किए जा रहे शोध कार्यों में शोध सहायक, निजी एफएम चैनलों पर रेडियो जोकी एंकर रुप में न केवल प्रभारी प्रस्तुति दे सकते हैं बल्कि पर्याप्त मात्रा में अर्थोपार्जन भी किया जा सकता है।

सवाल- हिंदी जानने वालों की प्रकाशन में क्या संभावना है।

जवाब- आज भारत में सर्वाधिक प्रकाशन हिंदी का है। चाहे समाचार पत्र हो या पुस्तकें हो या विज्ञापन हो। सभी में हिंदी टंकण, प्रूफ रीडिंग, औश्र पेज सेटिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में हिंदी जानकारों की आवश्यकता है। नए दौर में विश्व की बेस्ट सैलर पुस्तकों का हिंदी अनुवाद का मार्केट भी तेज गति से बढ़ा है। इसमें भी अच्छी हिंदी जानकारों की अवाश्यकता है।

सवाल- कॉलेज और विश्वविद्यालय में हिंदी विषय में असिस्टेंट प्रोफेसर कैसे बनें।[9]

जवाब- एनसीईआरटी साल में दो बार राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा नेट आयोजित करती है। विभिन्न राज्यसरकारें भी राज्य की मांग के अनुसार राज्य स्तरीय पात्रता परीक्षाएं आयोजित करती हैं। सबसे पहले विद्यार्थी का स्नातकोत्तर परीक्षा में 55 प्रतिशत प्राप्तांक होना आवश्यक है। अनुसूचित जाति और जनजाति के विद्यार्थी 50 फीसदी प्राप्तांक पर भी यह परीक्षा दे सकते हैं। उक्त पात्रता परीक्षा में दो प्रश्नपत्र

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 7, Issue 6, November 2020 |

होते हैं। प्रथम प्रश्न पत्र मानसिक योग्यता और शोध प्रवृत्ति पर आधारित होता है। दूसरा प्रश्न पत्र विषय का होता है। पाठ्यक्रम आयोजक संस्था की साइट पर उपलब्ध है। छात्र विगत सत्रों के प्रश्न पत्रों का सांख्यिकी अध्ययन कर इकाईवार गहन अध्ययन करें। इसके लिए स्नातकोत्तर स्तर पर रही मूल पुस्तकों का अध्ययन करें।

सवाल- स्कूल प्राध्यापक हिंदी की तैयारी कैसे करें?

जवाब- जो पाठ्यक्रम अलग अलग अंकभार में दिया गया है। कक्षा 11 और 12 की मूल पुस्तकें और बीए में आचार्य शुक्ल और नगेंद्र की पुस्तकों का अध्ययन करें। इसके अलावा लक्ष्मीनारायण चातक का काव्यांक पारिजात भी पढ़ा जा सकता है।[10]

सवाल- हिंदी व्याकरण की तैयारी कहां से करें?

जवाब- कक्षा 6 से 8 हिंदी व्याकरण की मूल पुस्तकें अध्ययन करें। इन किताबों में व्याकरण को समझाने के बाद जो अभ्यास दिए हैं उन्हें हल करें। शब्द शुद्धि और वाक्य शुद्धि के लिए डॉ. हरदेव बाहरी की शुद्ध हिंदी पुस्तक का सहारा लें।[11]

सवाल- स्कूल प्राध्यापक परीक्षा के अंतिम समय में किन विषयों पर विशेष ध्यान दें?

जवाब- अंतिम समय में सीनियर सैकंडरी और स्नातक पाठ्यक्रम पर विशेष ध्यान दें। क्योंकि इन इकाइयों से 110 प्रश्न पूछे जाने हैं और पाठ्य पुस्तकें कम हैं। अत: केवल 11 और 12वीं के अनिवार्य और एच्छिक हिंदी की मूल पुस्तकों में प्रस्तावना, लेखक परिचय और पाठ परिचय को दोहरा लें। साथ ही आचार्य रामचंद्र शुक्ल और डॉ. नगेंद्र के इतिहास ग्रंथों को ही मानक मानकर अध्ययन करें।[12]

विचार-विमर्श

हिंदी भाषा लगातार लोकप्रय होती जा रही है। सोशल मीडिया से लेकर तमाम प्लेटफॉर्म पर हिंदीका बोलबाला है। इसके साथ ही हिंदीमें रोजगार या करियर बनाने के विकल्पों में भी लगातार इजाफा होता जा रहा है। आइए जानते हैं हिंदी में कहां हैं रोजगार के अवसर।
हिंदी दुनिया की दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस समय दुनियाभर में हिंदीबोलने वालों की संख्या 55 करोड़ से ज़्यादा है, वहीं हिंदीसमझ सकने वाले लोगों की संख्या करीब 1 अरब से भी ज्यादा है।
प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच और संस्थाओं में हिंदीके इस्तेमाल में इजाफा हुआ है।
फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म पर अब हिंदीका ही दबदबा है। गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज कंपनियों ने भी हिंदीमें बहुत बड़े पैमाने पर काम करना शुरू कर दिया है। ऐसे में करियर की भी बहुत संभावना है।[13]

हिंदी राजभाषा अधिकारी
केंद्रीय संस्थानों और कार्यालयों में राजभाषा अधिकारी की नियुक्ति की जाती है जो अपने यहां हर प्रकार से हिंदीके प्रयोग को बढ़ावा देते हैं और हिंदीमें कामकाज को सुगम बनाते हैं। यदि आप हिंदीविषय में स्नातक हैं और एक विषय के रूप में अंग्रेजी भी पढ़ी है तो राजभाषा अधिकारी के रूप में करियर बनाया जा सकता है।[14]

हिंदी अध्यापन
हिंदीका अध्ययन करने वालों के बीच अध्यापन एक पारंपरिक करियर विकल्प के रूप में लोकप्रय है। उच्च शिक्षण संस्थानों से लेकर प्राथमिक स्तर तक शिक्षण के अवसर योग्यतानुसार उपलब्ध रहते हैं और इसे सदाबहार करियर माना जाता है। समय-समय पर आयोजित होने वाली 'राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा' (NET) में शामिल हो सकते हैं। इसमें अधिकतम अंक प्राप्त करने वालों को 'जूनियर रिसर्च फेलोशिप' (JRF) मिल सकती है। जिसके माध्यम से शोधकार्य (PHD) करने वाले छात्रों को हर महीने 30,000/- छात्रवृत्ति दी जाती है। यह परीक्षा पास करने वालों को महाविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर और प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति के अवसर मिल सकते हैं।[15]

हिंदी पत्रकारिता
हिंदी पढ़ने वाले छात्रों के बीच पत्रकारिता रोजगार का एक आकर्षक विकल्प है, जहां मेहनती और प्रतिभावान युवाओं के लिए बहुत संभावनाएं हैं। इस दौर में हिंदीअखबार और न्यूज चैनल की संख्या भी काफी है। समाचार चैनलों और अखबारों के अलावा भी हिंदीके अनेक चैनल और पत्र-पत्रिकाएं हैं जहां हिंदीभाषी प्रतियोगियों के लिए दरवाजे खुले हैं।[16]

हिंदी अनुवादक/दुभाषिया

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 7, Issue 6, November 2020 |

ट्रांसलेशन यानि अनुवाद का क्षेत्र बहुत बड़ा है। दुनियाभर में जैसे-जैसे हिंदीका प्रयोग बढ़ रहा है वैसे-वैसे अनुवादकों और द्विभाषाविदों की मांग बढ़ती जा रही है। कई देशी-विदेशी मीडिया संस्थान, राजनैतिक संस्थाएं, पर्यटन से जुड़े संस्थान और बड़े-बड़े होटलों में अनुवादकों और दुभाषियों की अच्छी खासी मांग है।[17]

रेडियो जॉकी और समाचार वाचक

रेडियो प्रस्तोता अमीन सयानी की आवाज किसने नहीं सुनी। नवेद की आवाज से कौन नावाकिफ है। इन्होंने हिंदीमें रेडियो जॉकी का कॅरियर बनाया। ऐसी बहुत सी प्रतिभाएं हैं जो इस क्षेत्र में नाम और दाम कमा रही हैं। यदि आप भी भाषा पर अच्छी पकड़ रखते हैं, आवाज़ अच्छी है तो यह एक करियर ऑप्शन है। इसके साथ ही समाचार वाचक भी एक विकल्प है। बस आपको अपनी सधी हुई प्रभावशाली आवाज़ में समाचार पढ़ने होते हैं और देश-विदेश की घटनाओं की जानकारी देनी होती है।[18]

हिंदी में क्रिएटिव राइटिंग

रचनात्मक लेखन जिसे आज के युवाओं की भाषा में क्रिएटिव राइटिंग कह सकते हैं। इस क्षेत्र में 'स्वतंत्र लेखन' और नियमित लेखन किया जा सकता है। फ़िल्म, टीवी, रेडियो, वेबसाइट, पोर्टल आदि क्षेत्रों से जुड़कर हिंदीमें लोकप्रिय लेखन किया जा सकता है और बाहर रहकर भी सेवाएं दी जा सकती हैं। हालांकि दोनों में कोई ज्यादा अंतर नहीं है। दोनों ही रूप में आप काम एक ही कर सकते हैं। ब्लॉग लेखन भी एक ऑप्शन है। [19]

परिणाम

हिंदी में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। आज के इस भूमंडलीकरण के दौर में हिंदी ने अपनी दस्तक विश्व के लगभग सभी देशों में दी है। लगभग 70 करोड़ लोग अपने दैनिक जीवन में हिंदी का प्रयोग करते हैं। हिंदी हमारी राजभाषा है। हिंदी के द्वारा हम शिक्षा, राजनीति, इतिहास, विज्ञान ,वाणिज्य आदि सभी क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।हिंदी भाषा को देश में बेहतर स्थान नहीं मिल पाया है। आज भी अंग्रेजों को ज्यादा अहमियत मिलती है। यदि विद्यार्थी नवीन साहित्य का सृजन करेंगे तो हिंदी भाषा न केवल सुदृढ़ होगी अपितु उसका साहित्य भी समृद्ध और प्रभावशाली होगा, साथ ही यदि युवाओं में साहित्य सृजन की भावना विकसित होगी।[20]

साहित्य सृजन की क्षमता विकसित होने से हिंदी भाषा होगी सुदृढ़

अखिल भारतीय साहित्य परिषद के जिलाध्यक्ष डॉक्टर ओमप्रकाश शास्त्री ने कहा कि वर्तमान में नई पीढ़ी में विद्यार्थियों में साहित्य के पठन-पाठन के साथ सृजन में रुचि घटती जा रही है। इसके फलस्वरूप समाज में हिंदी भाषा कमजोर पड़ रही है। हमें स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्रों में साहित्य सृजन की भावना को प्रबल करना होगा। विश्वविद्यालयों एवं शासन को चाहिए कि साहित्य सृजन को पाठ्यक्रम में सम्मिलित कर हिंदी के विद्यार्थियों को साहित्य सृजन की शिक्षा प्रदान करें।[21]

निष्कर्ष

हिंदी भाषा का इतिहास

जब भी हमें अपने विचारों को व्यक्त करना होता है तो हम उसे बोलकर व्यक्त करते हैं। बिना बोले या लिखे हम अपनी भावनाओं को दूसरों के सामने जाहिर नहीं कर पाते हैं। हम इंसान हमेशा से ही कोई ना कोई माध्यम से अपने विचारों को दूसरों के सामने व्यक्त करते आए हैं। हम काफी समय से अपने भावों को जाहिर करते आए हैं। जैसे आदिमानव की अपनी अलग भाषा हुआ करती होगी। हम यह नहीं कह सकते कि उस समय कौन सी भाषा का प्रयोग होता होगा। लेकिन अगर हम अपनी भाषा के इतिहास के बारे में देखें तो हमें यह ज्ञात होता है कि हमारी सबसे पुरानी भाषा संस्कृत रही है।[22]

हिंदी भाषा कैसे विकसित हुई?

प्राचीनकाल में हमने संस्कृत भाषा को देवभाषा का दर्जा दे रखा था। उस समय सभी लोग संस्कृत ही बोलते और लिखते थे। राजा और प्रजा इसी भाषा का प्रयोग करती थी। बड़े बड़े ग्रंथ भी इसी भाषा में लिखे गए। संस्कृत भाषा से ही अन्य सभी भाषाओं का जन्म हुआ। हिंदी भाषा भी संस्कृत भाषा की ही देन है।[23]

हिंदी भाषा तकरीबन 1000 वर्षों से हमारे दिलों पर राज कर रही है। सबसे पहले इस भाषा को प्रचलन में लाने का श्रेय ईरानी लोगों को जाता है। क्योंकि हम भारतीय सिंधु नदी के पास रहा करते थे इसलिए हमारा नाम सिंधु से हिंदू पड़ गया। हिंदी भाषा की उत्पत्ति का श्रेय उत्तर भारत को जाता है। हिंदी भाषा की उत्पत्ति अपभ्रंश से मानी जाती है।

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 7, Issue 6, November 2020 |

हिंदी भाषा किन भाषाओं का मिश्रण है?

हिंदी विविध भाषाओं का मिला जुला रूप है। अगर हिंदी भाषा के विकास की हम बात करें तो हम अपनी प्रचीन संस्कृत को दो हिस्से में बाँट सकते है लौकिक संस्कृत भाषा और पहली प्राकृत भाषा। इससे ही आगे फिर दूसरी प्राकृत भाषा अस्तित्व में आई। इसी भाषा को हम सभी पाली नाम से भी जानते हैं।[24]

बाद में आगे चलकर हमने पाली भाषा को तीन हिस्सों में बांट दिया था – मागधी, अर्धमागधी (प्राकृत) और शौरसेनी। पश्चिमी हिंदी, राजस्थानी, पहाड़ी, गुजराती को हम शौरसेनी की आधुनिक भाषा कह सकते हैं। नागर अप्रभंश को दो हिस्से में विभाजित कर सकते हैं- पूर्वी हिंदी और पश्चिमी हिंदी। और आखिर में वर्तमान हिंदी। खड़ी बोली को हम हिंदी भाषा का विकसित रूप मानते हैं। यह भाषा बोलने और लिखने में बहुत ही प्यारी लगती है।

हिंदी भाषा का महत्व

हमारे जीवन में हिंदी भाषा का महत्व बहुत ज्यादा है। हिंदी भाषा हमारे देश की जान है और पहचान भी। आज हिंदी की वजह से ही हम है। आज अंतरराष्ट्रीय मंच पर जो हमें पहचान और मान सम्मान मिला है वह सब हिंदी की बदौलत ही है। यह हम भी अच्छी तरह से जानते हैं कि हमारा देश बहुत बड़ा है।[25]

इस देश में भिन्न भिन्न प्रकार की जाति और धर्म के लोग निवास करते हैं। उनका खान पान अलग है और पहनावा भी अलग है। पर एक चीज है जो उनको जोड़े रखती है। वह है हमारी राजभाषा। हम यहां पर हिंदी भाषा का बोल रहे हैं। हिंदी भाषा का उदय करीब हजार वर्ष पहले हुआ था। उस समय से लेकर आज तक यह भाषा हमारे लिए गौरव की भाषा बनी हुई है। इसका प्रमाण हम सभी के सामने है।

आज के समय में हमारी हिंदी फ़िल्मों और गानों को खूब पसंद किया जाता है। विदेशों में भी हमारी हिंदी फ़िल्मों को बड़ी चाव से देखा जाता है। यहां तक की हमारी आजादी के समय भी हिंदी भाषा ने बड़ा अहम योगदान दिया। उस समय कविताएं, कहानियां और भाषण इसी भाषा में लिखे और दिए गए। आजादी संग्राम के दौरान यह भाषा एक प्रमुख भाषा बनी रही। आज के दौर में तकरीबन करोड़ों की संख्या में लोग हिंदी बोल और समझ सकते हैं। हिंदी के महत्व को समझते हुए ही हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।[26]

हिंदी को राजभाषा का दर्जा कब प्राप्त हुआ?

यह हम सभी को पता है कि हिंदी को हमारी राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। हिंदी से हम भारतीयों का गहरा जुड़ाव है। हिंदी ने हमें नया आयाम दिया है। अवधी, भोजपुरी, ब्रजभाषा, छत्तीसगढ़ी, गढ़वाली, हरियाणवी, कुमांऊनी, मागधी और मारवाड़ी सभी हिंदी भाषा का ही अंश है।

अमेरिका और कनाडा जैसे विकसित देशों में भी हिंदी को सीखने वालों की संख्या अधिक है। लेकिन हिंदी को राजभाषा का दर्जा कब प्राप्त हुआ, यह सोचने वाली बात है। हिंदी को राजभाषा बनाने का प्लान तो कभी से ही चल रहा था। बहुत से विदेशी आक्रमणकारियों ने यह सोचा कि हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दे देते हैं।[27]

लेकिन वह ऐसा नहीं कर पाए। फिर आजादी से पहले यह मांग उठनी शुरू हो गई थी कि हिंदी को ही भारत की राष्ट्रभाषा बना दी जाए। 15 अगस्त 1947 के बाद से यह मुद्दा बहुत गर्म हो गया था। क्योंकि भारत में अनेकों भाषाएँ बोली जाती थी इसलिए ऐसा हो नहीं पाया। लेकिन 1949 में अंतिम निर्णय यह लिया गया कि हिंदी को राष्ट्रभाषा की जगह राजभाषा का दर्जा दे दिया जाए। तब से लेकर आज तक हिंदी हमारी राजभाषा बनी हुई है।

हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 7, Issue 6, November 2020 |

साल 2014 तक तो हिंदी भाषा को लेकर दुनिया में इतनी जागरूकता नहीं थी। लेकिन 2014 के बाद से हिंदी भाषा के प्रति दुनियाभर भर में सम्मान और उत्साह देखने को मिला। ऐसा बिल्कुल भी नहीं है कि इस भाषा को लेकर पहले कोई क्रेज नहीं था। हिंदी के प्रति दीवानगी तो हमेशा से ही रही है।[28]

अब हम बात करते हैं कि क्या हम हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर मिल सकते हैं? तो इसका सीधा सा उत्तर है – हाँ। आज के दौर में जब हिंदी भाषा को इतनी लोकप्रियता मिल गई है कि इस भाषा से हम रोजगार के अवसर भी प्राप्त कर सकते हैं। आज बैंकिंग सेक्टर से लेकर फिल्मी जगत और विज्ञापन की दुनिया में हिंदी भाषा का बोलबाला है।

आज के समय में हम हिन्दी राजभाषा अधिकारी, हिन्दी अध्यापन, हिन्दी पत्रकारिता, हिन्दी अनुवादक/दुभाषिया, रेडियो जॉकी और समाचार वाचक के रूप में धन अर्जन कर सकते हैं। आज मीडिया, फिल्म, जनसंपर्क, बैंकिंग क्षेत्र, विज्ञापन आदि क्षेत्रों में अनुवादकों की मांग भी काफी बढ़ गई है। इसलिए आज के समय में अगर हमारी हिंदी भाषा पर पकड़ अच्छी है तो हमारे सामने रोजगार के ढेरों अवसर है।[29]

हिंदी भाषा के कुछ प्रसिद्ध लेखकों के नाम

- कबीर दास
- प्रेमचंद
- सीताराम सेकसरिया
- लीलाधर मंडलोई
- प्रहलाद अग्रवाल
- रविंद्र केलेकर
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- जयशंकर प्रसाद
- रामचन्द्र शुक्ल
- सूरदास[30]
- हरिवंशराय बच्चन
- महादेवी वर्मा
- सुमित्रानंदन पन्त
- सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला
- जयशंकर प्रसाद
- सुभद्राकुमारी चौहान
- सोहनलाल द्विवेदी
- माखनलाल चतुर्वेदी
- भारतेन्दु हरिश्चंद
- रामनरेश त्रिपाठी
- मीराबाई[31]

संदर्भ

1. "संग्रहीत प्रति". मूल से 14 अप्रैल 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 18 फ़रवरी 2019.
2. ↑ https://archive.li/go4yc
3. ↑ "परिचय:: केंद्रीय हिंदी निदेशालय". मूल से 4 मई 2018 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 11 सितम्बर 2015.
4. ↑ "Why Hindi isn't the national language". मूल से 3 जून 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 3 जून 2019.
5. ↑ Khan, Saeed (25 जनवरी 2010). "There's no national language in India: Gujarat High Court". The Times of India. Ahmedabad: The Times Group. मूल से 18 मार्च 2014 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 5 मई 2014.
6. ↑ "Hindi is 3rd most spoken language in the world with 615 million speakers after English, Mandarin". मूल से 14 अप्रैल 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 18 फ़रवरी 2019.

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 7, Issue 6, November 2020 |

7. ↑ "These are the most powerful languages in the world". World Economic Forum. मूल से 24 मार्च 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 1 मार्च 2019.
8. ↑ "How languages intersect in India". Hindustan Times. मूल से 22 नवंबर 2018 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 26 नवंबर 2018.
9. ↑ "Hindi mother tongue of 44% in India, Bangla second most spoken". मूल से 20 जुलाई 2018 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 27 जून 2018.
10. ↑ "What India speaks: South Indian languages are growing, but not as fast as Hindi". मूल से 16 फ़रवरी 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 29 जून 2018.
11. ↑ "Only 12% Hindi speakers bilingual: Census". मूल से 13 नवंबर 2018 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 13 नवंबर 2018.
12. ↑ "How many Indians can you talk to?". www.hindustantimes.com. मूल से 22 नवंबर 2018 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 1 मार्च 2019.
13. ↑ "Hindi the first choice of people in only 12 States". मूल से 6 जून 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 13 जून 2019.
14. ↑ "Hindi Diwas 2018: Hindi travelled to these five countries from India". 14 सित॰ 2018. मूल से 3 अप्रैल 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 1 मार्च 2019. `|date=` में तिथि प्राचल का मान जाँचें (मदद)
15. ↑ "वसंत पंचमी पर अबू धाबी से हिन्दी भाषा के लिए आया सुखद संदेश". मूल से 15 फ़रवरी 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 1 मार्च 2019.
16. ↑ "मुस्लिम देश अबू धाबी का ऐतिहासिक फैसला, हिन्दी को बनाया अदालतों में तीसरी आधिकारिक भाषा". hindi.timesnownews.com. मूल से 15 फ़रवरी 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 1 मार्च 2019.
17. ↑ [https://hindi.oneindia.com/news/india/the-abu-dhabi-judicial-department-acknowledged-hindi-language-as-official-language-492820.html Archived 2019-02-15 at the Wayback Machine अबू धाबी में हिन्दी अब न्यायपालिका की आधिकारिक भाषा, सुषमा स्वराज ने कहा शुक्रिया
18. ↑ "हिंदी - भारतकोश, ज्ञान का हिन्दी महासागर". bharatdiscovery.org. मूल से 11 मार्च 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 1 मार्च 2019.
19. ↑ "What are the top 200 most spoken languages?". Ethnologue (Free All) (अंग्रेज़ी में). अभिगमन तिथि 2018-03-31.
20. ↑ "A Historical Perspective of Urdu | National Council for Promotion of Urdu Language". web.archive.org. 2018-10-15. मूल से पुरालेखित 15 अक्तूबर 2018. अभिगमन तिथि 2018-10-25.
21. ↑ हिंदी के विकास की यात्रा, हिंदी कैसे बनी भारत के हृदय की भाषा (२०१९)
22. ↑ हिंदी भाषा का इतिहास और हिंदी भाषा का विकास
23. ↑ कीथ ब्राउन, सारा ओगिल्वी (२०१०). Concise Encyclopedia of Languages of the World [दुनिया की भाषाओं का संक्षिप्त विश्वकोश]. एल्सेवियर. पृ॰ 498. आई॰ऍस॰बी॰ऍन॰ 9780080877754. मूल से 19 नवंबर 2015 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 18 नवंबर 2015.
24. ↑ "अपने घर में कब तक बेगानी रहेगी हिन्दी" (एचटीएम). वेब दुनिया. अभिगमन तिथि 9 जून 2008. `|access-date=` में तिथि प्राचल का मान जाँचें (मदद)[मृत कड़ियाँ]
25. ↑ Masica, p. 65
26. ↑ Bhatt, Rajesh (2003). Experiencer subjects. Handout from MIT course “Structure of the Modern Indo-Aryan Languages”.
27. ↑ "Hindi mother tongue of 44% in India, Bangla second most spoken". मूल से 20 जुलाई 2018 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 27 जून 2018.
28. ↑ "What India speaks: South Indian languages are growing, but not as fast as Hindi". मूल से 16 फ़रवरी 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 29 जून 2018.
29. ↑ "Only 12% Hindi speakers bilingual: Census". मूल से 13 नवंबर 2018 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 13 नवंबर 2018.
30. ↑ "Hindi most spoken Indian language in US, Telugu speakers up 86% in 8 years - Times of India". The Times of India. मूल से 5 अप्रैल 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 1 मार्च 2019.
31. ↑ "संग्रहीत प्रति" (PDF). मूल से 5 फ़रवरी 2016 को पुरालेखित (PDF). अभिगमन तिथि 18 अगस्त 2015.

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 7, Issue 6, November 2020 |